5000Rs.

Read with Section ... of the BIMR 1959

1 लेखकारी का नाम एवं पूरा पता :- अरबौरी भुवन मोहन प्रसाद वल्द स्वर्गीय अरबौरी नागेश्वर लाल जाति कायस्थ साकिन मौजा सीहजना पोस्ट औंगिया थाना तथा जिला गढ़वा पेशा गृहस्थी राष्ट्रीयता भारतीय - शपथ पत्र संख्या 244 ता: 10-11-16 (विक्रेता)

2 लेखकारी का नाम एवं पूरा पता :- श्री राम प्रवेश सिंह वल्द श्री राम वृक्ष सिंह कायम जाते राजपूत साकिन मौजा मिलमा पोस्ट सेमौरा थाना मझिआंव जिला गढ़वा तथा डेमा प्रगना बेलौंजा पेशा गृहस्थी राष्ट्रीयता भारतीय = शपथ पत्र संख्या 243 ता: 10-11-16 (क्रेता)।

३ लेख्यप्रकार :- केवाला बयला बालमी (विक्रयपत्र)

४ जरसमन :- मो० २४,०००) चौबीस हजार रुपया मात्र

निर्धारित सरकारी मूल्य मो० ३५०००) पैंतीस हजार रुपया मात्र।

५ सम्पति :- पाट होल्डिंग मवाजी 0.03$\frac{3}{4}$ तीन प्रशांक तीन बटा चार डि० बराबर एक कट्ठा जमीन धान दो II एक फसली व असींचित वाका मौजा सहिजना थाना गढ़वा तथा सिहे प्रगना पलामू जिला गढ़वा अन्दर नगर पालिका गढ़वा दोकयत रैयती मौरूषी जिला रजिस्ट्री ऑफिस गढ़वा जमीन मकान बनाने योग्य है।

विक्रय सम्पति का विवरण मवाजी 0.03$\frac{3}{4}$ डि० वाका मौजा सहिजना थाना व जिला गढ़वा अन्दर नगर-पालिका गढ़वा

तौजी न०	खाता न०	खेसरा न०	वार्ड न०
१२४वी	३४५	१	२

(3)

खाता न० प्लौट न० बिक्री रकबा चौहद्दी

१ — ४२८ — 0.033/4 उ० 30 खाता
(एक) (चार सौ अठाइस) द० प्लौट न० ४३१
पु० हाल खरीदार
श्री मति कलावती देवी
प० हाल खरीदार
रविन्द्र नाथ सिंह

मालगुजारी सालाना 0.35 पैसा पैंतिस पैसा।

नाम मालिक बिहार सरकार बजरिए अंचल पदाधिकारी गढ़वा जिला गढ़वा

विदित हो कि खाता न० 5 में दर्ज सम्पति लेख्यकारी की हकियत रैयती मौरूसी खास हक व हिस्से की है जिस पर निर्विवाद दखल कब्जा है उक्त सम्पति अन्य जमीन के साथ मसो० मडुका कुँवर जौजा स्वर्गीय सुखभजन लाल के नाम रैयती दर्ज है तथा मांग भी वर्तमान में उन्ही के नाम से चल रहा है। उक्त जमीन अन्य जमीन के साथ लेख्यकारी के पिता नागेश्वर लाल तथा उनके अन्य दो भाई अखौरी सुखभजन लाल तथा अखौरी राम सेवक प्रसाद की खास जोत की जमीन थी अखौरी राम सेवक प्रसाद पहले ही स्वर्गवासी

होगए थे तथा उनकी पत्नी भी उनके
पहले ही स्वर्गवासी हो गई थी तथा
सम्पूर्ण जमीन अखौरी नागेश्वर लाल और
अखौरी दुखभंजन लाल के बीच बटवारा
में हुई उक्त जमीन अन्य जमीन के साथ
अखौरी दुखभंजन लाल के हिस्से में मिली
दुखभंजन लाल के मृत्यु के बाद उक्त
सम्पति अन्य सम्पति के साथ अखौरी
दुखभंजन लाल की पत्नी मसोमात मटुका
कुँवर के दखल कब्जा मे आए मसोमात
मटुका कुँवर ने रसका रिटर्न भी भरी।
तथा उचित जाँच पड़ताल के बाद मसो०
मटुका कुँवर के नाम से उनके सारे
हिस्से की जमीन का रुम-रोल भी
अलग से उनके नाम से तैयार हुआ
मसोमात मटुका कुँवर जिन्दगी तक
अपनी सारी जमीन की जोत कोड़ की
और निर्विवाद दखल कब्जा मे रही तथा
साल बसाल मालगुजारी अदा कर सरकारी
रसीद प्राप्त करती रही। मसोमात मटुका
कुँवर के बूढ़ी व असमर्थ होने पर
हमलोग यानि सरखवकारी छः भाई (1)
अनन्त लाल (2) छोटन लाल उर्फ बृज-
मोहन लाल (3) अखौरी भुवन मोहन लाल
(4) सन्तु लाल उर्फ श्री कान्त मोहन लाल
(5) स्वर्गीय अवध किशोर लाल एवं

(६) अखौरी कन्हैया लाल इनके उतराधिकारी गया डुए तथा इनलोगों के हो परिवार में रही तथा इनकी यानि मसोमात मडुका कुँवर की सम्पूर्ण सम्पति की व्यवस्था इनकी ओर से हम लोग यानि लेख्यकारी एवं पाँचों भाई करते थे। इस तरह से लेख्यकारी एवं लेख्यकारी के पाँचोभाई इनकी कुल सम्पति के उतराधिकारी हुए और पूर्वत जोत कोड़ दखल कब्जा में चले आरहे है हम लोग ने आपस में समझौता पूर्वक आपसी बटवारा भूमि का कर लिया और खाता नं० ५ की जमीन अन्य जमीन के साथ मेरे यानि लेख्य कारी के दखल कब्जा में आ गई और निर्विवाद रुप से हक व दखल कब्जा में है उक्त सम्पति पर किसी तरह का झगड़ा व वारदेन नही है उक्त जमीन हर तरह से पाकव साफ बेला झंझट व तकरार के है। इस समय बाते करके शादी अपनी भतीजी की रुपए की सख्त जरुरत है तथा बिना इस बिक्री किए रुपए का इंतजाम होना भी असंभव है इस लिए उक्त दर्ज जमीन को बेच देना बेहतर समझा तथा इसे बिक्री करने का एलान किया जिस उक्त लेख्य-धारी यानि क्रेता ने मु० २४०००) रुपया वाजिब तथा सर्वाधिक कीमत तय कर के खरीदना स्वीकार किया जो लेख्यकारी को मान्य है लेहाजा बकुशी न खातिर

विक्रेता का हस्ताक्षर

दि० १०-१-८८

६

होश व हवाश से बिना वहकावा व दिगर दबाव नाजायज किसी के वही मवाजी ३ ३/४ डी० जमीन जो हर तरह के बोदेन से पाक व साफ बेला झंझट व तकरार के है को बीगरफ्त जरसमन मु० २४००० रुपया मे बदस्त व बनाम राम प्रवेश सिंह मजकूर के बेच व बयनामा कतामी किया यह कि जरसमन का पूरा रुपया क्रेता से रजिस्ट्री से पहले ही चुकती पा गए है एक खरमोहरा भी जरसमन का बाकी बोजिम्मा खरीदारा के नहीं रहा तथा लेखप कारी ने उक्त बिक्री की गई जमीन का कुल हक व अधिकार आज से ही क्रेता को हस्तान्तरित किया। अब इस पर लेखपकारी या वारिसान का कुछ भी हक या वारिसान का कुछ भी हक या दावा बाकी नहीं रहा तथा नहीं भविष्य मे होगा। यदि व क्रेता इस जमीन को अपने दखल व अधिकार में लेकर इस पर अपना स्थायी मकान का निर्माण करावे तथा अपना नाम बिहार सरकार के सिरिस्ते मे दर्ज करवाकर सालाना लगान अदा कर रसीदात प्राप्त करें या जो भी बेहतर इस जमीन के मुतालिक समझें करें। हममें लेखपकारी व वारिसान कायम मोकामियान को कुछ भी हिला या उजरात नहीं है तथा नहीं भविष्य मे होगा केबाला का असर आज से हो गया लेहाजा सभी बातें को बखूबी

(Right margin, vertical:) 1/4/2015 नं० ..... गोलामणि सहायक प्रशाखा पदाधिकारी ... (signature)

समझ कर यह केवाला बयना कलमी
बदक वो बनाम लेख्य धारी के बहीर
वो लागिन का दिया की प्रमाण
रहें ।

लेख्य धारी यह घोषणा
करता है कि इसका नाम शिलिंग
सोंध वो भूमिहीन की सूचि एवं
... के अन्तर्गत ... ग्राम
स्थान ...